राजहंस का महत्त्व

बॅन विलियम्स् द्वारा लिखित

सदियों से हंस-पक्षी भारतीय ऋषि-मुनियों तथा कवियों का ध्यान आकर्षित करता रहा है। 'हंस' एक संस्कृत शब्द है। हंस की स्थिर व प्रशान्त चाल से प्रेरित होकर, वेदकालीन ऋषियों ने उज्ज्वल व एकान्तप्रिय हंस का वर्णन नीले आकाश में मृदुलता से गतिमान होने वाले सूर्य के रूप में किया है। इसके अनेक शताब्दियों पश्चात्, हंस का रहस्य और उसकी गरिमा उपनिषद्कालीन आत्मज्ञानी आचार्यों के समक्ष भी उजागर हुई, जिन्होंने हंस को जीवात्मा के प्रतीक के रूप में देखा। उनके द्वारा वर्णित, इन दोनों के बीच के सम्बन्ध का आधार है, हंस की गतिशीलता — जिस प्रकार बड़ी शान से हंस, सतत एक स्थान से उड़ान भरकर दूसरे स्थान पर उतरता रहता है, उसी प्रकार जीवात्मा अपने अनेक जन्म-जन्मान्तरों के दौरान, एक शरीर से दूसरे शरीर में गमन करती रहती है।

'हंस' श्वास का भी प्रतीक है और भारत के कई पवित्र ग्रन्थों में इस सम्बन्ध का सुन्दर वर्णन किया गया है। काश्मीर शैवदर्शन के एक ग्रन्थ, 'विज्ञानभैरव' में 'हंस' का वर्णन एक मन्त्र के रूप में किया गया है जिसका जप प्रत्येक श्वास-प्रश्वास के रूप में स्वतः ही सतत होता रहता है — श्वास के साथ 'हम्' और प्रश्वास के साथ 'सः'। 'हंस' सिद्धयोग पथ का एक मन्त्र है और श्रीगुरुमाई सिखाती हैं कि 'हंस' और 'सोऽहम्', दोनों एक ही हैं। इसका अर्थ है, "मैं 'वह' हूँ।" अतः, जो साधक श्वास-प्रश्वास के रूप में चलने वाले 'हंस' मन्त्र में लीन हो जाता है, उसके अन्दर दिव्य आत्मा के साथ ऐक्य — "मैं 'वह' हूँ" का बोध — स्वाभाविक रूप से उदित होता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार हंस का अत्यन्त महत्त्व इसलिए भी है क्योंकि उसमें यह क्षमता होती है कि वह दूध और पानी को अलग कर सकता है। यह सम्भवतः यजुर्वेद में वर्णित एक महिमावान हंस से सम्बन्धित है जो पानी से सोमरस को अलग करता है। अपने इसी कौशल के कारण हंस 'विवेक' का आदर्श प्रतीक है और यही गुण किसीके महात्मा होने का प्रमाण है। इस आध्यात्मिक विवेक का विकास कर हम जीवन के हर क्षण में आत्मा के अमृतरस की अनुभूति कर सकते हैं।

'परमहंस' उस आत्मज्ञानी महात्मा के लिए एक अन्य सम्बोधन है जो सांसारिकता के क्षणभंगुर प्रवाह के बीच उस सर्वव्यापी और शाश्वत आत्मा को पहचान सकते हैं। सिद्धयोग गुरु, श्रीगुरुमाई परमहंस हैं जो सत्य के साधकों को मुक्तिदायी विवेकबोध की शिक्षाएँ प्रदान करती हैं।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।